an>

Title: Need to take welfare measures to mitigate the suffering of widows in the country.

डॉ. नैपाल सिंह (रामपुर) ः मैं सरकार को अवगत कराना चाहता हूं कि आज पूरे देश में करीब 4 करोड़ विधवाएं हैं और यह संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इन विधवाओं में युवा से लेकर बुजुर्ग तक हैं। युवा विधवाओं के लिए लम्बा जीवन तंगी में काटना पड़ता है और इनके बच्चे आजीविका की समस्या के चलते पढ़ाई के अभाव में मजदूर बन जाते हैं। बुजुर्ग विधवाओं को पेंशन समय पर नहीं मिल पाती। जीवन का आखिरी समय कष्टपूर्ण व्यतीत होता है और इन विधवाओं के परिवार के विकास के लिए यह आवश्यक है कि देश के सरकारी स्कूलों में केंद्रीय विद्यालय व नवोदय विद्यालय में प्राथमिकता देकर उन्हें नःशुल्क शिक्षा व रहना, खाना आवश्यक रूप से उपलब्ध कराना चाहिए। अभी तक इन विधवाओं के हित में पिछली सरकारों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। अगर मौजूदा केंद्र सरकार इनके लिए कोई नीति बनाती है तो इन विधवाओं के बच्चे भी पढ़कर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं और ऐसी महिलाएं जो बहुत ही गरीब हैं, उनको केंद्र सरकार व राज्य सरकारों के अंतर्गत चल रही स्कीम मनरेगा व आंगनबाड़ी में प्राथमिकता देकर रोजगार उपलब्ध कराया जाए जिससे ये अपने परिवार का पालन कर सकें और समाज में इज्जत पा सकें।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि सरकार इस पर गहराई से विचार कर इन विधवाओं के हित में कोई ठोस रणनीति बनाए ताकि दर-दर पर ठोकर खाने वाली ये विधवाएं भी समाज में सम्मान से अपना जीवन-यापन कर सकें।